मंगल की सेवा सुन मेरी देवा | By Tripti Shakya |

मंगल की सेवा सुन मेरी देवा,
हाथ जोड़ तेरे द्वार खड़े।
पान सुपारी, ध्वजा नारियल,
ले अंबे तेरी भेंट धरे।
सुन जगदंबे कर ना विलंबे,
संतन के भंडार भरे।
संतन प्रतिपाली सदा खुशाली,
जय काली कल्याण करे।

बुद्धि विधाता तू जगमाता,
है मेरे करज सिद्ध करे।
चरण कमल का लिया आसरा,
शरण तुम्हारी आन पड़े।
जब-जब भीड़ पड़ी संतन पर,
तब-तब आये सहाय करे।
संतन प्रतिपाली सदा खुशाली,
जय काली कल्याण करे।

वीरवारिणी सब जग मोयो,
तरुणी रूप अनुरूप धरे।
कहीं माता होकर पुत्र खिलावे,
कहीं भार्या भोग करे।
तुम्हारी महिमा विषमख वर्णूं,
बैठी काज आप करे।
संतन प्रतिपाली सदा खुशाली,
जय काली कल्याण करे।

सुखकर सुखदायी सदा सहायी,
संत खड़े जयकार करे।
ब्रह्मा विष्णु सहस्मुख पूजे,
भेद लिये उच्चार करे।
अटल सिंहासन बैठी माता,
सिर सोने का छत्र धरे।
संतन प्रतिपाली सदा खुशाली,
जय काली कल्याण करे।

द्वार से निश्छर के सुन महिमा,
लौकद वीर को हुकम दियो।
ले खप्पर त्रिशूल संघरत,
रक्तबीज को भस्म कियो।
शुंभ निशुंभ पछाड़े दानव,
महिषासुर संहार करे।
संतन प्रतिपाली सदा खुशाली,
जय काली कल्याण करे।

कौन सो भाव धरु मेरी माता,
जान की अरज कबूल करे।

सिंह पीठ पर चढ़ी भवानी,
अचल भवन में राज करे।
दर्शन पावे मंगल गावे,
साधु संत के दुख हरे।
संतन प्रतिपाली सदा खुशाली,
जय काली कल्याण करे।

सात बार की महिमा वर्णूं,
मा की महिमा अति भारी।
चन्द्र सूर्य तपे तेज से तेरी,
तेजे से तेरे बलिहारी।
ब्रह्मा वेद पढ़े तेरे द्वारे,
शिव शंकर जी ध्यान धरे।
इंद्र कुबेर करे तेरी आरती,
सेना चंवर डोलाए रहे।

जहां-जहां भीड़ पड़ी भक्तन पर,
वह ले खप्पर को भारती।
मोहे पुकारती देर भाई,
जगदंब विलंब कहा करती।
लाल बनावट सबाजगरी आई,
सजी आरती अंबे की।
जामे बैठी पान खात,
मुस्कात मात छवि अंबे की।

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a4%82%e0%a4%97%e0%a4%b2-%e0%a4%95%e0%a5%80-%e0%a4%b8%e0%a5%87%e0%a4%b5%e0%a4%be-%e0%a4%b8%e0%a5%81%e0%a4%a8-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%a6%e0%a5%87%e0%a4%b5%e0%a4%be-by/